

(b) As on 30th June, 1995, 390 persons have been reported to be infected through Blood Transfusion in the Country. A comprehensive programme for the prevention and control of AIDS is currently under implementation as a centrally sponsored scheme throughout the country. The strategies of the programme consist of generation of awareness amongst high risk behaviour and general public about HIV/AIDS, Control of sexually transmitted diseases, blood safety and rational use of blood, better surveillance; and diagnosis and clinical management of HIV/AIDS cases.

Leakage of Radioactive Water in Tarapur

492. SHRI GURUDAS DAS GUPTA:
SHRI JALALUDIN ANSARI:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the International Atomic Energy Agency and the Atomic Energy Regulatory Board had known about the leak of radioactive water in Tarapur for more than a month before it hit the world headlines; and

(b) if so, why the information was kept secret?

THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI BHUVNESH CHATURVEDI): (a) The Atomic Energy Regulatory Board (AERB) knew about the incident in which some radioactive water leaked out of the Waste Immobilisation Plant at Tarapur. The Board has also reported the incident to IAEA. The radioactive release occurred well within the premises of the Plant.

(b) It was felt that there was no need to publicise the event, since systematic measurements have clearly established that this incident has not resulted in any radiological impact in the public domain.

गुजरात में गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों का उपयोग

493. श्री अनन्तराय देवशंकर : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विशेष रूप से गुजरात में गैर-परम्परागत ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं,

(ख) गत तीन वर्षों के दौरान इस पर कुल कितनी धनराशि खर्च की गई है,

(ग) क्या सरकार इस संबंध में प्राप्त की गई सफलता को संतोषजनक मानती है,

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं, और

(ङ) क्या सरकार इस बारे में समय-समय पर कोई मूल्यांकन करती है ?

अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) सरकार गुजरात राज्य सहित सम्पूर्ण देश में अनुसंधान एवं विकास कार्य को सहायता देकर, राजकोषीय और वित्तीय प्रोत्साहन उपलब्ध कराकर, वीलिंग, बैकिंग और खरीद-वापसी नीति को आरंभ करके और जन प्रचार आदि माध्यमों के द्वारा जन जागरूकता पैदा करके अपारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकास और उपयोग को प्रोत्साहन दे रही है।

(ख) सरकार द्वारा समग्र रूप से देश में 534 करोड़ रुपये के कुल व्यय में से गुजरात राज्य में पिछले तीन वर्षों के दौरान व्यय की गई कुल राशि लगभग 42.52 करोड़ रुपये है।

(ग) और (घ) उपलब्ध संसाधनों और इस क्षेत्र में प्रौद्योगिकीय विकास की स्थिति के आधार पर अब तक प्राप्त की गई सफलता संतोषजनक है। अपारंपरिक ऊर्जा कार्यक्रम के कार्यान्वयन के कार्य में गुजरात अग्रणी राज्यों में से एक है।

(ङ) मंत्रालय और अन्य सरकारों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत राज्यवार कार्यनिष्पादन की नियमित मानीट्रिंग और समीक्षा की जा रही है। विभिन्न कार्यक्रमों का स्वतंत्र एजेंसियों द्वारा आवधिक मूल्यांकन भी करवाया जाता है।